पाठ 1

बचपन की यादें

ननिहाल में

सुनीता गर्मी की छुट्टियाँ मनाने अपने मामा जी के घर गई। मामा जी का लड़का अंकुर और सुनीता हम उम्र हैं। सुनीता की मौसी पास के ही गाँव में रहती है। उनकी बड़ी लड़की अनीता भी छुट्टियाँ मनाने अपने ननिहाल आई है। सब बच्चे बहुत खुश हैं। नानी जी प्यार से उन्हें रोज आम खाने के लिए देती है।

माँ का बचपन

नानी जी – अनीता, आज मैं अचार बनाऊँगी और तुम्हें भी सिखाऊँगी। तुम्हारी माँ को भी मैंने ही सिखाया है।

अनीता – हाँ नानी जी, माँ अचार बहुत अच्छा बनाती है। पड़ोस वाली चाची भी माँ को अचार बनाने के लिए बुलाती है। नानी जी आपने माँ को और क्या–क्या सिखाया?

नानी जी– बेटा, तुम्हारी माँ जब छोटी थी तब उन्हें खेलना व पढ़ना बहुत अच्छा लगता था। तब मैं उन्हें ज्यादा काम नहीं बताती, लेकिन जैसे–जैसे वह बड़ी होती गई, मैंने तुम्हारी माँ, मामा व मौसी से घर के कामों में मदद लेना शुरू किया। वे मेरी मदद करते–करते ही काम सीख गए।

अनीता – नानी जी, माँ तो मुझे हमेशा पढ़ने के लिए ही कहती है। आप भी ऐसा ही करती थी ?

नानी जी – हाँ बेटा, लेकिन तब हम पढ़ाई का इतना महत्त्व नहीं जानते थे। फिर भी समय–समय पर मैं भी सभी बच्चों को पढ़ने के लिए कहती थी।

अनीता – नानी जी, आपने और माँ ने कहाँ तक पढ़ाई की है?

नानी जी – बेटा, मैंने तो पाँचवीं तक ही पढ़ाई की है। हमारे समय में आगे पढ़ने के लिए दूसरे गाँव जाना पड़ता था, फिर घर व खेत का काम भी करना पड़ता था, लेकिन तुम्हारी माँ पढ़ने में होशियार थी। वह पढ़ने के साथ बाजार के काम भी कर लेती थी। इतने में सुनीता फोटो की एलबम लेकर आ गई और सभी फोटो देखने लग गए।

चित्र 1.1 नाना जी एवं नानी जी के साथ फोटो एलबम देखते हुए बच्चे

सुनीता – नानी जी मेरी माँ ने तो फूल वाली फ्रॉक पहनी है। यह कितनी सुंदर है! आपने भी सितारों वाली साड़ी पहनी है। यह फोटो कब खिंचवाया था? कल जब पिता जी और मौसा जी यहाँ आएँगे तो उन्हें भी यह फोटो बताऊँगी।

नानी जी – यह फोटो तो तुम्हारे मामा जी की शादी के समय का है।

इस तरह सभी फोटो एलबम देखकर पुरानी यादें ताजा कर रहे थे।

सोचिए और लिखिए

- आपका ननिहाल कहाँ है?
- आपके मामा जी और माँ में क्या रिश्ता है?

- आपके ननिहाल में कौन–कौन रहते हैं?
- आप अपने मामा जी की पत्नी को क्या कहते हैं?
- आप ननिहाल कब–कब जाते हैं?
- आपके पिता जी और मौसा जी का आपस में क्या रिश्ता है?
- आपको ननिहाल में सबसे अच्छा क्या लगता है?

पता कीजिए और बताइए

- आपके माँ व पिता जी ने किस–किस कक्षा तक पढ़ाई की है?
- उन्हें पढ़ना कैसा लगता था?
- माँ के भाई–बहनों में से सबसे अधिक पढ़ाई किसने की और क्यों?

पिता जी का ससुराल

अगले दिन सुनीता के माँ व पिता जी सुनीता को लेने आए। घर में बेटी और जमाई के आने पर नानी जी व सभी खुश थे। उनका अच्छे से स्वागत किया गया। सभी खाना खाने बैठे। मामा जी ने जमाई सा को मनुहार कर आम की मिठाई खिलायी। तब सुनीता के पिता जी ने भी कहा कि साला जी आपको भी मेरे हाथ से मिठाई खानी पड़ेगी। अगले दिन सुनीता भी अपने माँ–पिता जी के साथ वापस अपने घर आ गई।

चित्र 1.2 मामा जी जमाई सा को मिठाई खिलाते हुए

सोचिए और बताइए

- आपके माँ व पिता जी की ससुराल कहाँ–कहाँ है?

- आपके पिता जी को आपके मामा जी व मौसी जी क्या—क्या कह कर बुलाते हैं?
- आपके माँ—पिता जी अपने—अपने सासु जी को क्या—क्या कह कर पुकारते हैं?
- आपके घर में मेहमान आने पर उनका स्वागत किस प्रकार किया जाता है?

पता कीजिए और लिखिए

- आपके पिता जी के भाई व बहन को आप क्या—क्या कहते हैं?
- आपके पिता जी के साला—साली आपके क्या लगते हैं?
- आपके माँ व पिता जी जब छोटे थे, तब वे घर में क्या—क्या काम करते थे?
- आपके पिता जी को क्या—क्या काम करने आते हैं? किन्हीं दो काम के बारे में लिखिए और बताइए कि उन्होंने इसे कहाँ व कैसे सीखा?

हमने सीखा

- ननिहाल के रिश्तों नाना जी, नानी जी, मामा जी आदि को समझा।
- माँ के बचपन को जाना।
- हमें घर आए मेहमानों का आदर—सत्कार करना चाहिए।

जाना—समझा, अब बताइए

- पिछली कक्षा में आपने अपने परिवार का वंशवृक्ष बनाया था। अब अपने ननिहाल का वंशवृक्ष अपनी कॉपी में बनाइए।

रिश्ते हैं अनमोल।
समझो इनका मोल।।